

1. लहाकथा वन :- 200 km² है। अधिक वर्षा
आमनास, लकोनी, मधोगनी, रोजवूड

प्राकृतिक वनस्पति

Part II

5 प्रकार के

1. उष्णकटिबंधीय वर्षा वन - लहाकथा
2. उष्णकटिबंधीय मानसूनी वन
3. कठिण वन एवं झाड़ियाँ
4. पर्वतीय वन
5. ज्वारीय वन या मैंग्रोव वन

→ पतझड़ वन मुख्य रूप से दो भागों में -

1. उत्तर प्रदेश, बिहार
2. मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु तक पहाड़ी भाग तक वृद्धि व्यापक प्रदेश को छोड़कर

विशेषताएँ

- कुसुमगंधी के अलावा, मजबूत
- अधिक उपयोगिता अधिक
- अमृत, साय, लाजवान, साखु

3. कटीबे वन - 70 क्षेत्रों में एक वर्षिक वन

पश्चिमी भारत एवं हरिद्वार व्यापक प्रदेश

- कबूच, लजूर, नाजफसी, खैजड़ा, कैर
- पंजाब, पश्चिम, पश्चिमी च.प. गुजरात
- हरिद्वार व्यापक - मध्य प्रदेश के वेदोत से लंके का वनस्पति के करनाम में एक एक चंद्रकण परी-रक.

कानपुर, सोनहाता, परना इलाहबाद इन्हें मिलते हैं एक वन

2. भारत के सबसे कम वर्षा क्षेत्र
3. पूर्वोत्तर भारत की सबसे भीड़-भाड़ की सीमा

4. राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश
5. मध्य प्रदेश - लुआ

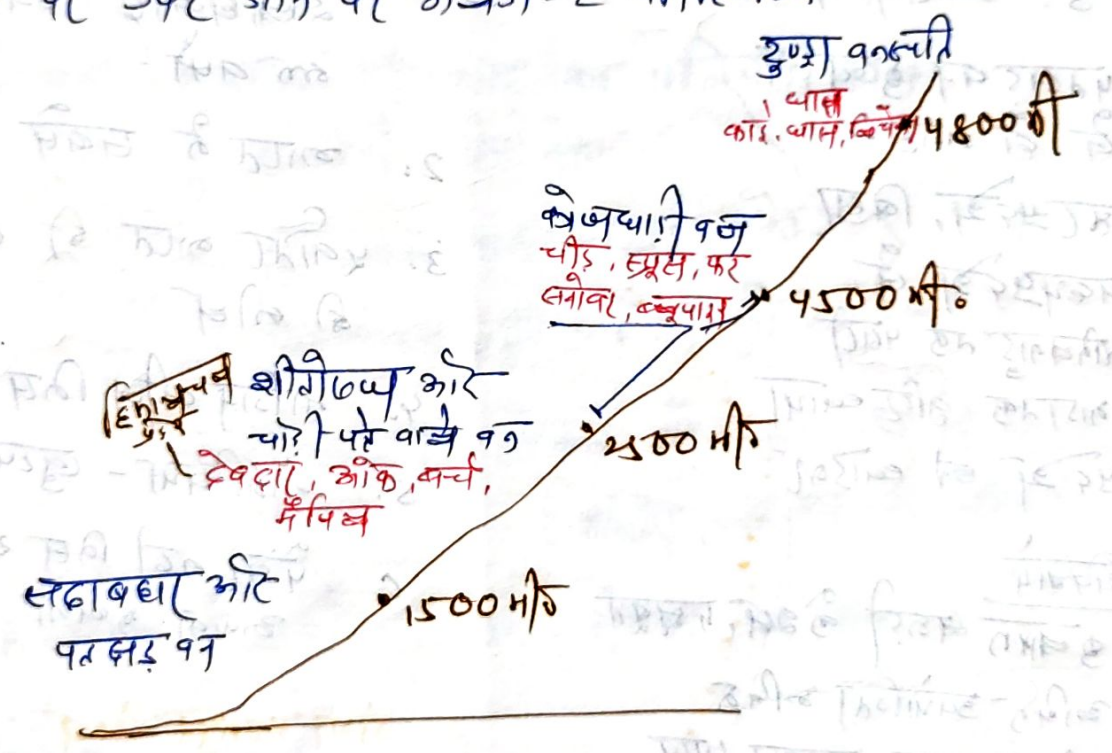
6. पंजाब की वनस्पति के अलावा कृषक के अलावा

Staphylothermus
 केंद्र के चारों ओर - 14K m
 लंबाई है 200m
 पर्वत के शिखर पर डिग्री डिग्री
 प्रत्येक 100m उंच जाने पर 6.5°C कम होता है
 इस ऊंचाई के कारण अचवापु के पर्वत

1. हिमालय
2. ब्रह्मपुत्र

1. हिमालय के पर्वतीय वन

→ हिमालय पर उंच जाने पर अलग-अलग - 2 वर्गीकरण



2. ब्रह्मपुत्र के पर्वतीय वन

→ नीबूगिरी, अन्नाप्रयार्, पाखी - शीतोष्ण वन पाये जाते हैं
 जिन्हें सब कारत में "शीकास" कहा जाता है
 ↓
 वन - कारेव, मैगनेलिया, सिनकोना

ज्वारीय वन

भारत के ज्वारीय क्षेत्रों - डेल्टा क्षेत्रों में

जुझराई
के नदी

ज्वारीय वन
पूर्वी तट पर
अधिक

जंगल प्रहारापुर का डेल्टा
मध्य नदी का डेल्टा
गोदावरी एवं कृष्णा का डेल्टा - आंध्र प्रदेश
कावेरी नदी का डेल्टा



मैंग्रोव वन
ज्वारीय क्षेत्रों का खनिजों से
सम्पन्न क्षेत्र है
जहाँ जीव अपने विकास
के लिए मैंग्रोव वन
का अनुभव करते हैं

→ तट काफी नीचे बने हैं जिससे वन

- इनकी बनावट खास ज्वारीय क्षेत्रों है।
- यहाँ बतगारि नहीं बहते होते
- सारिभा जल

→ मैंग्रोव नामक वनस्पतियाँ

मैंग्रोव, खुंदली, कैलीना, फॉनिक्स

→ भारत में 5 क्षेत्र

1. गुजरात तट

→ मैंग्रोव वन सबसे ज्यादा गुजरात में
भारत में

→ गुजरात के बाद - आंध्र प्रदेश

2. जंगल प्रहारापुर डेल्टा

→ मैंग्रोव वन नहीं पाया जाता

→ खुंदली वन का फल का भाग हुआ है 1961/80
बंगाल खाड़ी

3. मध्य नदी डेल्टा - उड़ीसा

4. कावेरी नदी का डेल्टा - तमिलनाडु

